MS – 129

IV Semester B.C.A./B.Sc. (FAD) Examination, May 2016
(CBCS) (Freshers)
(2015-2016 and Onwards)
LANGUAGE HINDI – IV
Khand Kavya, Nibandh aur Anuvad

Time : 3 Hours | Max. Marks : 70

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर **एक** शब्द या वाक्य में लिखिए। **(10×1=10)**

1) शबरी किस जाति की स्त्री थी ?

2) पम्पासर का जल किसके छूने से दूषित हो गया था ?

3) कौन सी जाति रेवा से कावेरी तक फैली हुई थी ?

4) शबरी किसे तृणवत त्याग कर पम्पासर चली आई ?

5) शबरी खण्डकाव्य के कवि कौन है ?

6) किसके दर्शन हेतु शबरी आश्रम के फाटक पर बैठ गयी ?

7) आश्रमवासियों के अनुसार यज्ञ-याग और पूजन किसका कर्म नहीं है ?

8) शबरी जंगली बेर किसके लिये ले आती है ?

9) शबरी का अपहरण करने के लिए आधी रात में कौन आये ?

10) शबरी ने अपने परिवार जनों का त्याग क्यों किया ?

II. निम्नलिखित में से किन्ही **दो** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए: **(2×7=14)**

1) चर्बी के दिये का भी
आलोक भला कुछ होता ?
आकण्ठ पापमय है ये सारे
छोड़ो इनको सोता।

P.T.O.

Scanned by CamScanner

2) 'क्या आत्मा की उन्नति केवल
है उच्च वर्ग तक ही सीमित ?
प्रभु तो हैं सबके पिता, भला
उनका आराधन क्यों सीमित ?

3) अपने को श्रेष्ठ समझना
यह दम्भ नहीं तो क्या है ?
जिसका जीवन है सात्विक
वह आर्य नहीं तो क्या है ?

III. 1) त्रेता युग की सामाजिकता के बारे में बताते हुए शबर जाति के लोगों के दैनिक जीवन पर प्रकाश डालिए। (1×16=16)

अथवा

2) शबरी खण्ड काव्य का सारांश लिखकर उसकी विशेषताएँ बताइए।

IV. निम्नलिखित में से किन्ही **दो** पर टिप्पणी लिखिए : (2×5=10)

1) मतंग ऋषि।

2) शबरी का आश्रम जीवन।

3) पम्पासर।

V. निम्नलिखित में से किसी **एक** साहित्यकार का परिचय लिखिए : (1×10=

1) जगदीशचन्द्र बसु।

2) सुभद्राकुमारी चौहान।

Scanned by CamScanner

VI. हिन्दी में अनुवाद कीजिए : (1×10=10)

Karnataka has been a land of various religious and cultural beliefs from the time immemorial. This reflects the good and favourable atmosphere of this land. The awakened religious sentiments of this land is well established. Karnataka has been the work spot for many great seers, thinkers and philosophers. Inspired by the enlightened sentiments of the people of Karnataka, Swamy Bhadra Bahu hailing from valleys of Nepal unfurled the flag of Jainism in Karnataka long ago.

ಕರ್ನಾಟಕವು ಅನಾದಿಕಾಲದಿಂದ ಅನೇಕ ಧಾರ್ಮಿಕ ಮತ್ತು ಸಾಂಸ್ಕೃತಿಕ ವಿಶ್ವಾಸಗಳ ನೆಲವೀಡಾಗಿದೆ. ಇದು ಭೂಮಿಯ ಉತ್ತಮ ಹಾಗೂ ಅನುಕೂಲಕರವಾದ ವಾತಾವರಣವನ್ನು ಪ್ರತಿಬಿಂಬಿಸುತ್ತದೆ. ಜಾಗೃತ ಧಾರ್ಮಿಕ ಮನೋಭಾವಗಳು ಈ ಪ್ರದೇಶದಲ್ಲಿ ಚೆನ್ನಾಗಿ ನೆಲೆಗೊಂಡಿವೆ. ಬಹಳಷ್ಟು ಮಹಾಋಷಿಗಳು, ಚಿಂತಕರು ಮತ್ತು ದಾರ್ಶನಿಕರು ಕರ್ನಾಟಕವನ್ನು ತಮ್ಮ ಕರ್ಮಭೂಮಿಯನ್ನಾಗಿ ಸ್ವೀಕರಿಸಿದರು. ಕರ್ನಾಟಕದ ಜನರ ಜಾಗೃತ ಮನೋಭಾವದಿಂದ ಪ್ರಭಾವಿತನಾದ ನೇಪಾಳ ಕಣಿವೆಯಿಂದ ಬಂದಂತಹ ಸ್ವಾಮಿ ಭದ್ರ ಬಾಹುವು ಬಹಳ ಹಿಂದೆಯೇ ಜೈನ ಧರ್ಮದ ಧ್ವಜವನ್ನು ಹಾರಾಡಿಸಿದನು.

———————

Scanned by CamScanner